

To ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦਾ ਹੁਕਮ

ਜਿਸਨੂੰ ਸਾਹਿਬਜ਼ਾਦਾ ਜੀ 12140

ਯ

६८०

(33)

ॐ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(1-A)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(1B)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(1C)

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(2)

पुस्तिका संख्या



(3)

मी

८६ ८७

(८७)

उचिंतात ४६ मी धां ह मति रा मप

अमनी मधी पताप ह मधु गो मनी

उपत मध पताप मराणा प्रधां म

ह म् र मी गा ध धं वि म् म म यां प धि म् उ

म ग मी ध न ध मी ध म् गि ज न मी म् म् म् म्

प ता ध म् ता ध म् म् म् म् म् म् म् म् म्

म म् पु प या उ म् म् म् म् म् म् म् म् म्

म म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म्

पु पु ल ध पु ल म् म् म् म् म् म् म्

ध म् तां ध म् म् म् म् म् म् म् म् म्

म म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म्

म म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म्

म म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म्

म म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म्

म म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म्

म म् म् म् म् म् म् म् म् म् म् म्

(3-3)

(3-3)
~~तद्यन्तरेषु देवि गीतार्थेऽस्मात्~~

~~मच्छिद्योऽपि देवाः प्रोक्तान्तर्गता~~

ଆହୁରି ଆହୁରି ମନ ଉନ୍ନତ ପଡ଼ିଲା

~~गी. दत्त उमरु निभा ली मज्जा पति~~

જે વજનમાને દુલ્લે-ક દ્યે-ગી-ગે-ઉ-ગ-દી

দ্বিতীয় ভাগ প্রথম অধ্যায়

मस्तकमपानध्यानेन विना

(3-4)

(3-4) मममस्तधैती अशोगपव लावले क

इतो यास्तपश्चैव धर्मगान्धर्वपथ

नाथुंगांव पंक्ति १२४० नथुंगांव पंक्ति १२४०

नारायणें देगा जत दयेत तं उभां दमनी

हाल्लगति मधी साळ भोग पय्या व्हदि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

(3-5)

বান্ধুমানদমানউভাভূমিননা

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

गंगा नदी की घाटी का नाम गंगोत्री है

पादात्तांशान्तप्रतिनर्मेकद्विजो

(3-6)

3-6

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

১০৭৬৪৮৫৯৬০৬১৬২৬৩৬৪৬৫৬৬৬৭৬৮৬৯৭০৭১৭২৭৩৭৪৭৫৭৬৭৭৭৮৭৯৮০৮১৮২৮৩৮৪৮৫৮৬৮৭৮৮৮৯৯০৯১৯২৯৩৯৪৯৫৯৬৯৭৯৮৯৯৯

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

(3-7)

[illegible][illegible]

922 ~~cd~~ (22)

~~उदितिन ४ द्वात्रिंशदसप्तम्या~~

वक्रा मयिपुत्र र सहस्रगोत्रपुत्रि

वज्रमंत्रं शिवरात्रौ भक्त्या प्रथमं नमस्कृत्य

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

~~वाराणसी का जन्मदाता~~

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

Handwritten musical notation on a five-line staff, featuring various note values and rests.

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

उद्योग्यसममयानुपमन विद्यमान परम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

पुनः शिवायामयं कृतं ॥ १० ॥

लावण
सिमा

(6)

श्री

२२ अथ ७

उदितताष्टमिष्टाष्टमताभान्यना

वश्रीष्टाष्टमिशारागोष्टम्यीति

पेपानमधारताभराष्टाप्रधानमहम्

प्राष्टम्यमपाष्टाष्टमिताकित्तमगतिष्ट

श्रीष्टाष्टमकिष्टाष्टमनेष्टाष्टमचान्द्रा

चन्द्ररांतमद्याष्टपाष्टीन्याष्टिताष्टम

काष्टमष्टाष्टमष्टाष्टमराष्टमाष्टमिष्ट

वष्टाष्टमष्टाष्टमष्टाष्टमष्टाष्टमष्टाष्टम

हस्ताष्टम



उदितितामसनी प्रसन्नता
 मापता श्री उदितितामसनी
 ज्ञायाति

उपसन्नमधारापमराणाप्रधानमह

उदितितामसनी प्रसन्नता

(७A)

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

उदितितामसनी प्रसन्नता

(8)
नमो भगवते वासुदेवाय
श्रीकृष्णाय नमः
नमो भगवते वासुदेवाय
श्रीकृष्णाय नमः
नमो भगवते वासुदेवाय
श्रीकृष्णाय नमः
नमो भगवते वासुदेवाय
श्रीकृष्णाय नमः
नमो भगवते वासुदेवाय
श्रीकृष्णाय नमः

कुचिंतिपुद्गलं हस्तितानिभ्यना
श्रीमदीयतिनापहमच्छागोचरी

यांति

उत्तममध्यपनापमराष्ट्रप्रधानमस्तु

द्वितीयमंयापहमपेदकानिभ्यः

(१८)

गणेशमगधमस्तुमगधगणेशद्वितीयमं

कुचिंतिपुद्गलं हस्तितानिभ्यः

श्रीमदीयतिनापहमच्छागोचरी

उत्तममध्यपनापमराष्ट्रप्रधानमस्तु

द्वितीयमंयापहमपेदकानिभ्यः

गणेशमगधमस्तुमगधगणेशद्वितीयमं

(१९)

कुचिंतिपुद्गलं हस्तितानिभ्यः

श्रीमदीयतिनापहमच्छागोचरी

उत्तममध्यपनापमराष्ट्रप्रधानमस्तु

द्वितीयमंयापहमपेदकानिभ्यः

गणेशमगधमस्तुमगधगणेशद्वितीयमं

(२०)

कुचिंतिपुद्गलं हस्तितानिभ्यः

श्रीमदीयतिनापहमच्छागोचरी

उत्तममध्यपनापमराष्ट्रप्रधानमस्तु

(२१)

द्वितीयमंयापहमपेदकानिभ्यः

घासवाघेगंभोउयगिदुभीमदुपुउठ
 घाळमदुपेठेराजीभरिलठकुधमल
 नयेतेदुपेभमिदुउठवमदुदुधमिदुम

एधुमो
 



पाद १८८८

१८८८

रिवाज

मन्त्रेति शब्दोऽप्युपेतव्यापादमात्रस्य

१०३

(७०)

उपनिषत्पुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

उपनिषत्पुस्तकप्रकरणमन्त्र

उपनिषत्पुस्तकप्रकरणमन्त्र

(13-1)

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

राजश्रीमतीपुस्तकप्रकरणमन्त्र

(13-3)

आशीपीभागाप्रामरुयैउरुणातकउतांतनव

मगमनापामरुसंमगेरुययतामरुतांजीभावं

मंठागीपयस्तयापाणंगीतमीनामगीभापी

मगममयव्याचनीमफळउरुगाघापतप

यात्रांजमनगाघाचनरुणागययल्लमठितंन

(13-4)

व्ययचन्रजायउरुणागययल्लमठितंन

वाघांजनीरुणागययल्लमठितंन

ठाणीपमरागीमस्तारुगाययल्लमठितंन

उमयतउचरायतंनराताचनरुणागययल्लमठितंन

घणीमगायतन्यरुणागययल्लमठितंन

गपुठरुपीभागीरुवितोठरुगीमगाययल्लमठितंन

(13-5)

धीनस्तंवीभागीकमुपापीरुथापीभागेजुन

घज्यात्राणीभाउतगरागिनकमरुयका

अगीरुतगीजांजीमीरागगापीगम्यारुयय

धनस्तन्नीयामस्तंभग ४ यान्तीलांभगीका

भांक्रमतद्यत्तद्योगीन्नावत्तमममस्तम

(13-6)

मनीक्षुणीयावत्तमनीगीत्तमस्तंभुगीनगी

वागीपुण्यात्तममरात्तपुमद्यत्तवागीपुम

नममत्तमतिवागीत्तत्तद्यत्तत्तमनराद्य

त्तानगत्तत्तत्तत्तममद्यत्तद्यत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्तत्तममत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्तत्त

त्तत्तत्तत्तत्त

(14A)

(14B)

(140)
मम धराणीया व मम धराणी मम धराणी मम धराणी
मम धराणी मम धराणी मम धराणी मम धराणी
मम धराणी मम धराणी मम धराणी मम धराणी
मम धराणी मम धराणी मम धराणी मम धराणी
मम धराणी मम धराणी मम धराणी मम धराणी
मम धराणी मम धराणी मम धराणी मम धराणी

5140

८१५८

उपयन्तु गुरुमाजीयाउगिभारायिताली

प्रशान्तगतमनुष्यचिन्तामेवकमधमधवि

गुरुचिन्ता



(१५०७)



गुरुचिन्ता
गुरुचिन्ता



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com